नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR
D.O. No. 287 /AM

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण,
ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE,
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

05 SEP 2019

संदेश

हिन्दी दिवस- 2019 के शुभ अवसर पर आपको मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

भारतीय संविधान द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परम्पराओं को जोड़ने की कड़ी और अधिकांश देशवासियों द्वारा बोली और समझी जाने वाली 'हिन्दी भाषा' को संघ की राजभाषा के रूप में चुना गया। इसके साथ ही, संघ सरकार को यह महत्वपूर्ण दायित्व भी सौंपा गया कि वह अन्य भारतीय भाषाओं के रूप, शैली एवं पदावली को आत्मसात करते हुए हिन्दी भाषा का विकास करे ताकि वह भारतीय संस्कृति के तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। 'हिन्द' भाषा के नामकरण में ही राष्ट्रीय एकता का भाव अंतर्निहित है। भारत का एक पर्याय 'हिन्द' है। हिन्दी का एक अन्य अर्थ भारतीय भी है। विशिष्ट अर्थ में हिन्दी का तात्पर्य मानक हिन्दी है जो राजभाषा तथा संपर्क भाषा का कार्य कर रही है।

आज राजभाषा, संपर्क भाषा और विश्वभाषा के रूप में हिन्दी अपने अस्तित्व का विस्तार कर रही है। हिन्दी अब केवल भारत में बोली जाने वाली भाषा ही नहीं है बल्कि इसका प्रसार विदेशों में भी तेजी से हो रहा है। यह भारत के अलावा नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, संयुक्त राज्य अमेरिका, यमन, युगांडा, जर्मनी, न्यूजीलैंड, सूरीनाम आदि मे बोली जा रही है। मॉरीशस में 18-20 अगस्त, 2018 को आयोजित 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान तथ्य उजागर हुआ कि वैश्विक स्तर पर हिन्दी तेजी से अपनी नई पहचान स्थापित कर रही है। तथापि, हमें सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को वह उच्चतम स्थान दिलाने की प्रतिबद्धता दिखानी होगी, जिसकी वह अधिकारिणी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से निकट भविष्य में हमें सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेंगे। राष्ट्रीय एकता में हिन्दी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता और सरकार के मध्य जन-जन की भाषा ही संपर्क भाषा के रूप में सार्थक भूमिका निभा सकती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने राष्ट्र की खाद्य व पोषणिक सुरक्षा में उल्लेखनीय कार्य किया है। परिषद द्वारा उच्च उपजशील किस्मों के विकास और किसानों तक उन्नत तकनीकों की पहुंच के कारण हम खाद्यान्न के मामले में एक आयातक की भूमिका से निकलकर निर्यातक राष्ट्र बन गए हैं। इन उन्नत तकनीकों, किस्मों व अनुसंधान परिणामों को शीघ्रता से किसानों तक पहुंचाने में राजभाषा हिन्दी की विशेष भूमिका रही है। उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक अनुसंधान परिणामों को किसानों तक सीधे पहुंचाने मे हिन्दी की अप्रतिम भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। फिर भी, इस दिशा में हमें अभी बहुत काम करना है। मैं परिषद और देश भर में इसके व्यापक नेटवर्क में कार्यरत प्रमुखों से आह्वान करता हूं कि वे राजभाषा हिन्दी को विश्व में इसका उचित स्थान दिलाने के लिए संकल्प लें कि हम अपना समस्त अथवा अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में ही करेंगे। राजभाषा के तौर पर सरकारी काम काज में प्रयोग की जाने वाली हिन्दी सरल, सहज एवं आम जनता की समझ में आने वाली होनी चाहिए। साथ ही, हिन्दी के तकनीकी टूल्स जैसे "कंठस्थ" और मोबाइल एप्स आदि के अधिकाधिक प्रयोग के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएं।

मैं इस अवसर पर परिषद एवं इसके संस्थानों में आयोजित किए जाने वाले हिन्दी दिवस/ सप्ताह/ पखवाड़ा / माह 2019 के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देता हूं।

(नरेन्द्र सिंह तोमर)

Office : Room No. 120, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001 Tel.: 23383370, 23782691 Fax : 23384129
Resi. : 3, Krishna Menon Marg, New Delhi-110001, Ph. : 011-23794697 / 98, Fax : 011-23794696